सी.एल. बौध के निधन पर कांग्रेस कार्यालय में शोकसभा, नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

दतिया विधायक घनश्याम सिंह समेत कांग्रेस नेताओं ने याद किया संगठन में बोध के योगदान को

पीपुल्स प्रवक्ता दतिया।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता स्वर्गीय सी.एल. बौध के निधन पर रविवार को जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक दांगी बगदा के नेतृत्व में जवाहर भवन स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में शोकसभा आयोजित की गई। शोकसभा में दतिया विधायक घनश्याम सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत स्वर्गीय सी.एल. बौध के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने उनके व्यक्तित्व, कृतित्व और कांग्रेस संगठन के प्रति दिए गए योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि सी.एल. बोध का निधन कांग्रेस परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपने जीवनकाल में समाज और संगठन के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसे हमेशा याद रखा जाएगा। शोकसभा के दौरान उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय बोध के साथ बिताए संस्मरण साझा करते हुए उनके सामाजिक एवं संगठनात्मक योगदान को स्मरण किया। सभी ने कहा कि उनका सरल व्यक्तित्व और संगठन के प्रति समर्पण लंबे समय तक कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा बना रहेगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

ये रहे मौजूद: शोकसभा में विधायक घनश्याम सिंह, जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक दांगी बगदा, पूर्व विधायक राधेलाल बघेल, जिला कांग्रेस संगठन महासचिव नरेन्द्र गुर्जर, शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अजय शुक्ला, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष रामकिंकर गुर्जर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सरनाम सिंह राजपूत, पार्षद मुन्ना खान, जीतू प्रजापति, मुकेश यादव, नरेंद्र यादव धनपीपरी, नाहर सिंह यादव, स्वामी शरण कुशवाहा, रचना शेर सिंह, जामित्री दादौरिया, गुड्डी जाटव, आनंद शर्मा, महिपाल सिंह गुर्जर, पुष्पराज राजपूत, रामकुमार मोंगिया, राजा कुरैशी, विष्णु गुर्जर, अभिषेक तिवारी, स्वदेश अहिरवार, केपी यादव, सुरेश झा, रिंकू यादव, सलीम कामरेड, प्रेमनारायण कुशवाहा, वासुदेव कमरिया, डॉ. राकेश खरे, आशीष तिवारी, राजू खान, मंजूलता प्रजापति, रामदास उत्साही, मीडिया प्रभारी अशोक श्रीवास्तव, रामप्रकाश शर्मा, रेखा अहिरवार, अमरीश वाल्मीकि, उमर फारूक, देव गौतम, शांती कुशवाहा, सुनीता परमार, बोध, राघवेंद्र दांगी, काशिफ अली, राकेश मांझी, मनोज चौबे, शही उद्दीन कुरैशी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

टीबी मुक्त अभियानः एनसीसी कैडेट्स और विद्यार्थियों ने निकाली जागरूकता रैली

हाथों में स्लोगन तख्तियां लेकर निकले करीब 80 छात्र-छात्राएं, लोगों को टीबी से बचाव और उपचार का दिया संदेश

पीपुल्स प्रवक्ता दतिया।

टीबी मुक्त अभियान के तहत आमजन को टीबी रोग से बचाव, सुरक्षा एवं उपचार के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शनिवार को शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़ौनी के विद्यार्थियों एवं एनसीसी कैडेट्स द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में करीब 80 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। 15 एमपी बटालियन ग्वालियर के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल डीएस वर्मा एवं एडमिन ऑफिसर कर्नल संजीव सरीन के निर्देशन में आयोजित रैली विद्यालय के प्राचार्य शहजाद खान एवं एनसीसी अधिकारी सेकंड ऑफिसर देवेंद्र सिलारपुरिया के मार्गदर्शन में निकाली गई। विद्यार्थी हाथों में टीबी से बचाव एवं जागरूकता संबंधी स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर और नारे लगाते हुए बड़ौनी के प्रमुख मार्गों से गुजरे। इस दौरान विद्यार्थियों ने लोगों को टीबी के लक्षणों की पहचान, समय पर जांच और उपचार के प्रति जागरूक किया। रैली में विद्यालय के समस्त स्टाफ ने भी सहभागिता की।

109 मरीजों की जांच, डायबिटीज-मोटापे और शराब से फैटी लिवर का बढ़ा खतरा

पीपुल्स प्रवक्ता दतिया।

विद्या विहार कॉलोनी स्थित डॉ. हेमंत जैन क्लिनिक पर रविवार को अगस्त माह का निःशुल्क स्वास्थ्य एवं परामर्श शिविर आयोजित किया गया। शिविर में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के सह-प्राध्यापक एवं कंसल्टेंट फिजिशियन डॉ. हेमंत कुमार जैन ने 109 मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया।

बदलते मौसम के बीच शिविर में वायरल फीवर से पीड़ित मरीजों की संख्या अधिक रही। वहीं शिविर में निःशुल्क फाइब्रोस्कैन जांच कर मरीजों के लिवर की स्थिति की जांच की गई। जांच में डायबिटीज, मोटापे और नियमित शराब सेवन करने वाले मरीजों में फैटी लिवर एवं लिवर फाइब्रोसिस की समस्या सामने आई। डॉ. जैन ने बताया कि फाइब्रोस्कैन एक दर्दरहित जांच तकनीक है, जिसके माध्यम से करीब 5 से 10 मिनट में लिवर की स्थिति का आकलन किया जा सकता है। जांच के दौरान मरीजों को लिवर को स्वस्थ रखने के लिए खान-पान, वजन नियंत्रण, शराब से दूरी और नियमित स्वास्थ्य जांच के संबंध में भी जागरूक किया गया। शिविर में मरीजों को लिवर संबंधी बीमारियों, फैटी लिवर और लिवर सिरोसिस के संभावित खतरे तथा समय रहते जांच कराने के महत्व की जानकारी दी गई। शिविर को सफल बनाने में युवा समाजसेवी कौशल पाठक, अनिल शाक्य, मयंक पुरोहित, सोनू कुशवाहा, नरेंद्र कुशवाहा एवं जीतू हरिया का विशेष सहयोग रहा।

लाला का ताल और तरन तारन ताल के टूटे बंधों के पुनर्निर्माण की राह खुली

विधायक घनश्याम सिंह के प्रयास रंग लाए, नगरीय प्रशासन विभाग ने आयुक्त को तत्काल कार्रवाई के दिए निर्देश

पीपुल्स प्रवक्ता दतिया।

शहर के प्रमुख लाला का ताल एवं तरन तारन ताल के टूटे बंधों के पुनर्निर्माण और सुदृढ़ीकरण का मामला अब आगे बढ़ने की उम्मीद जगी है। दतिया विधायक घनश्याम सिंह के प्रयासों के बाद शासन स्तर से नगरीय प्रशासन विभाग के आयुक्त को आवश्यक कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। विधायक घनश्याम सिंह ने 12 अगस्त 2026 को भोपाल प्रवास के दौरान नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव बीएस जामोद से मुलाकात कर दोनों तालाबों के बंधों के पुनर्निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण के संबंध में मांग पत्र सौंपा था। उन्होंने दोनों कार्यों को प्राथमिकता में लेकर जल्द कार्य प्रारंभ कराने की मांग की थी।

विधायक के मांग पत्र पर कार्रवाई करते हुए मप्र विधानसभा की विशिष्ट कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी ने आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग को पत्र भेजकर विधायक के ज्ञापन के अनुरूप तत्काल कार्रवाई शुरू करने के लिए निर्देशित किया है।

दो साल से जर्जर हैं दोनों तालाबों के बंध: शहर के प्रमुख तालाब लाला का ताल और तरन तारन ताल के बंध करीब दो साल पहले टूट गए थे। इसके बाद से दोनों बंध जर्जर स्थिति में हैं। इन मार्गों का उपयोग प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग करते हैं। मार्ग बहुउपयोगी होने के कारण लोगों को जर्जर हिस्से से गुजरते समय परेशानी के साथ जोखिम भी उठाना पड़ रहा है।

बारिश में बढ़ गया है खतरा: वर्तमान में बारिश का मौसम होने के कारण दोनों स्थानों पर खतरा और बढ़ गया है। तालाबों में पानी बढ़ने के साथ ही जर्जर बंध और मार्ग की स्थिति लोगों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। ऐसे में शासन स्तर से पुनर्निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण की दिशा में कार्रवाई के निर्देश मिलने से स्थानीय लोगों को राहत की उम्मीद है। विधायक घनश्याम सिंह ने दोनों तालाबों के बंधों को जल्द दुरुस्त कराए जाने की मांग करते हुए इसे शहर की सुरक्षा और आमजन की सुविधा से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य बताया है।

दतिया में पुलिस का वारंटियों पर शिकंजाः चोरी और अवैध हथियार के मामले में फरार स्थायी वारंटी गिरफ्तार

कई साल से न्यायालय की नजरों से बच रहा था आरोपी, भगुवापुरा पुलिस ने चीना बम्बा से दबोचा

पीपुल्स प्रवक्ता दतिया।

फरार वारंटियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत भगुवापुरा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चोरी और अवैध हथियार के दो मामलों में फरार चल रहे स्थायी वारंटी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को थाना थरेट क्षेत्र के ग्राम चीना बम्बा से गिरफ्तार कर न्यायालय सेवढ़ा के समक्ष पेश किया। पुलिस के मुताबिक, अशोक उर्फ बबलू पुत्र मुलु किरार, निवासी भगुवापुरा के खिलाफ माननीय न्यायालय सेवढ़ा में दो प्रकरण विचाराधीन हैं। इनमें प्रकरण क्रमांक 49/17 में धारा 25(1) बी आर्म्स एक्ट तथा प्रकरण क्रमांक 671/18 में धारा 457, 380 भादवि के तहत मामला दर्ज है। दोनों मामलों में फरार रहने के चलते आरोपी के खिलाफ स्थायी वारंट जारी था।

अभियान के तहत पुलिस ने की घेराबंदी: पुलिस अधीक्षक मयूर खंडेलवाल के निर्देशन में जिले में फरार एवं स्थायी वारंटियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंजीत चावला एवं एसडीओपी सेवढ़ा अजय चानना के मार्गदर्शन में भगुवापुरा पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस टीम को आरोपी के ग्राम चीना बम्बा, थाना थरेट क्षेत्र में मौजूद होने की सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने दबिश देकर आरोपी अशोक उर्फ बबलू को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को आवश्यक कार्रवाई करते हुए माननीय न्यायालय सेवढ़ा के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

इनकी रही अहम भूमिका: कार्रवाई में थाना प्रभारी भगुवापुरा उप निरीक्षक सुरभि खेमरिया, एएसआई राजबहादुर सिंह, प्रधान आरक्षक रवि दुबे, प्रधान आरक्षक दिलीप सिंह एवं आरक्षक योगेन्द्र राजावत की सराहनीय भूमिका रही।

मेजर ध्यानचंद की जयंती पर कॉलेज में मनाया राष्ट्रीय खेल दिवस

खिलाड़ियों का हुआ सम्मान, प्राचार्य डॉ. जयश्री त्रिवेदी ने कहा- विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेलों की अहम भूमिका

पीपुल्स प्रवक्ता दतिया।

मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर शनिवार को शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय दतिया के क्रीड़ा विभाग द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इस दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेता, उपविजेता और प्रतिभागी खिलाड़ियों के साथ राज्य एवं विश्वविद्यालय स्तर पर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. जयश्री त्रिवेदी ने हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया। इसके बाद क्रीड़ा अधिकारी एवं क्रीड़ा समिति के सदस्यों ने अतिथियों का माल्यार्पण एवं शॉल भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम संयोजक एवं क्रीड़ा अधिकारी धर्मेंद्र यादव ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. जयश्री त्रिवेदी ने वर्तमान परिवेश में खेलों की आवश्यकता एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक विकास के साथ उनके मानसिक एवं व्यक्तित्व विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित: कार्यक्रम के दौरान 25 अगस्त 2026 को महाविद्यालय स्तर पर आयोजित खेल प्रतियोगिताओं के विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों तथा प्रतियोगिताओं में सहभागिता करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। इसके साथ ही सत्र 2025-26 में राज्य एवं विश्वविद्यालय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में सहभागिता करने वाले खिलाड़ियों को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एसके पांडेय, डॉ. इला द्विवेदी, डॉ. संजय श्रीवास्तव, डॉ. प्रतिभा पांडे, ग्रंथपाल नरेंद्र सिंह यादव, डॉ. डीपी अहिरवार, डॉ. अभय राहुल, डॉ. राजेश माहौर, डॉ. मनोरमा सिंह, अजय माली एवं डॉ. राजा सिंह सहित क्रीड़ा समिति के सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में क्रीड़ा समिति के सदस्य डॉ. अरविंद यादव, डॉ. समीर पाण्डेय, डॉ. आशा यादव, डॉ. रेनू तोमर एवं डॉ. राममिलन केवट की विशेष उपस्थिति रही। आयोजन को सफल बनाने में क्रीड़ा विभाग के स्थाई कर्मचारी छोटे सिंह का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी धर्मेंद्र यादव ने किया, जबकि अंत में डॉ. समीर पाण्डेय ने आभार व्यक्त किया।

9.99 करोड़ खर्च, 50 एकड़ जमीन मिली, फिर भी 4 साल में सिर्फ 6 डेयरियां शिफ्ट

पीपुल्स प्रवक्ता जबलपुर।

नर्मदा की सहायक नदियों गौर और परियट को प्रदूषण से बचाने के लिए जबलपुर में वर्षों पहले तैयार किया गया डेयरी शिफ्टिंग का प्लान अब भी अधूरा है। शहर और आसपास नदी किनारे चल रही 350 से ज्यादा डेयरियों से निकलने वाला गोबर और गंदा पानी जलस्रोतों तक पहुंचने का आरोप है। इसे रोकने के लिए खमरिया में करीब 50 एकड़ जमीन पर प्रदेश का पहला डेयरी स्टेट बनाया गया और बुनियादी सुविधाओं के लिए करीब 9.99 करोड़ रुपए मंजूर किए गए, लेकिन साढ़े चार साल बाद भी यहां महज 6 डेयरियां ही शिफ्ट हो सकी हैं।

नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने अब एक बार फिर कलेक्टर से मुलाकात कर नदी किनारे संचालित डेयरियों को तत्काल डेयरी स्टेट में शिफ्ट कराने की मांग की है। मंच का कहना है कि यदि गौर और परियट को बचाने में अब भी देरी हुई तो इनका प्रदूषण नर्मदा तक पहुंच सकता है। नागरिक उपभोक्ता मंच ने मामले में शिकायत दर्ज की थी। हाईकोर्ट तक पहुंचा था मामला, फिर बना डेयरी स्टेटः डेयरियों से निकलने वाले गोबर और अपशिष्ट के नदियों में मिलने को लेकर जब प्रशासन से शिकायतों के बावजूद समाधान नहीं हुआ तो मामला हाईकोर्ट तक पहुंचा। इसके बाद नदी किनारे संचालित डेयरियों को शहर से बाहर शिफ्ट करने की योजना बनी। एनजीटी के निर्देशों के बाद खमरिया में करीब 50 एकड़ जमीन पर डेयरी स्टेट विकसित करने का निर्णय लिया गया। यहां डेयरी संचालकों को सड़क, ड्रेनेज सहित मूलभूत सुविधाएं देने की योजना बनाई गई। अपशिष्ट प्रबंधन के लिए गोबर गैस प्लांट जैसी व्यवस्था भी प्रस्तावित थी, ताकि गोबर का उपयोग ऊर्जा और जैविक खाद बनाने में किया जा सके। 24 फरवरी 2022 को प्रदेश के पहले डेयरी स्टेट का उद्घाटन किया गया। उम्मीद थी कि शहर की नदी किनारे संचालित डेयरियां धीरे-धीरे यहां शिफ्ट हो जाएंगी, लेकिन चार साल से ज्यादा समय बीतने के बाद भी तस्वीर नहीं बदली।

67 प्लॉट दिए, सिर्फ 6 डेयरियां पहुंचीं: नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के अध्यक्ष डॉ. पीजी नाजपांडे का कहना है कि डेयरी स्टेट में 67 प्लॉट डेयरियों के लिए दिए गए थे, लेकिन अब तक सिर्फ 6 डेयरी संचालकों ने अपनी डेयरियां यहां शिफ्ट की हैं। उनका आरोप है कि डेयरी स्टेट बनने के बाद इसके संचालन और व्यवस्थाओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। उनका कहना है कि फिलहाल डेयरी स्टेट के लिए बजट तक उपलब्ध नहीं है। नाजपांडे ने कहा कि नर्मदा, गौर और परियट के किनारे डेयरियां होने से अपशिष्ट नदियों में पहुंच रहा है। गौर और परियट की स्थिति गंभीर है और यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो इसका असर नर्मदा पर भी पड़ सकता है।

350 से ज्यादा डेयरियां, नदी में जा रहा अपशिष्ट: जबलपुर और आसपास नदी किनारे करीब 350 से ज्यादा डेयरियां संचालित होने की जानकारी सामने आई है। इनसे निकलने वाले गोबर और गंदे पानी के उचित प्रबंधन की व्यवस्था नहीं होने पर इनके जलस्रोतों तक पहुंचने का आरोप है। मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भी शहर की कई डेयरियों के खिलाफ जल अधिनियम के तहत कार्रवाई कर चुका है और दूषित पानी के निवारण के निर्देश दिए गए हैं। मंच का कहना है कि जब डेयरियों को शिफ्ट करने के लिए जमीन और बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था पहले ही की जा चुकी है तो फिर नदी किनारे संचालित डेयरियों को वहां से हटाने में देरी क्यों हो रही है।

पेड़ पर बांधकर नारियल बंदूक से निशाना लगाते हैं ग्रामीण, टूटने के बाद होता है विसर्जन

पीपुल्स प्रवक्ता विदिशा।

जिले के झूकरजोगी गांव में भुजरिया पर्व पर एक खास परंपरा निभाई जाती है। यहां भुजरियों के विसर्जन से पहले पेड़ पर बंधे नारियल को बंदूक से निशाना लगाया जाता है। नारियल टूटने के बाद ही भुजरियों का विसर्जन किया जाता है। इस साल भी नारियल को तोड़ने के लिए कई राउंड फायर किए गए। परंपरा देखने के लिए आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। भुजरिया पर्व पर झूकरजोगी गांव में सुबह से ही उत्साह का माहौल रहा। महिलाएं सज-धजकर अपनी-अपनी भुजरियां लेकर जुलूस में शामिल हुईं। गांव के लाइसेंसधारी बंदूकधारी भी बंदूकें लेकर जुलूस में शामिल हुए। भुजरियों विसर्जन से पहले पेड़ पर बंधे नारियल को बंदूक निशाना लगाया जाता है। भुजरियों विसर्जन से पहले पेड़ पर बंधे नारियल को बंदूक निशाना लगाया जाता है। नारियल टूटने के बाद होता है भुजरियों का विसर्जन। जुलूस गांव के हनुमान मंदिर पहुंचा। यहां मैदान में भुजरियों को एक स्थान पर रखा गया। महिलाओं ने भुजरियों की परिक्रमा की और सामूहिक रूप से लहंगी नृत्य किया। इसके बाद लोगों का ध्यान मैदान के ऊपर पेड़ पर बंधे नारियल की ओर गया। नारियल को पेड़ पर ऊंचाई पर बांधा गया था। उसे तोड़ने के लिए बंदूक से कई राउंड फायर किए गए। नारियल टूटने के बाद भुजरियों का विसर्जन किया गया।